सरदार वल्लभभाई पटेल: भारत के लौह पुरुष (IRON MAN OF INDIA)

एकीकरण, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण

प्रस्तुतकर्ता/
ASHOK KUMAR PGT HISTORY

परिचय और प्रारंभिक जीवन

- नाम: वल्लभभाई झावेरभाई पटेल
- जन्म: 31 अक्टूबर, 1875, नडियाद, गुजरात
- शिक्षा: कानून की पढ़ाई (इंग्लैंड से बैरिस्टर)
- प्रारंभिक करियर: सफल वकील, जिसने बाद में गाँधीजी के प्रभाव में राजनीति में प्रवेश किया।
- महत्वपूर्ण तथ्य: उनकी जयंती, 31 अक्टूबर, को राष्ट्रीय एकता दिवस (National Unity Day) के रूप में मनाया जाता है।

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका

- गांधीजी का प्रभाव: खेड़ा सत्याग्रह (1918) और बारडोली सत्याग्रह (1928) का सफल नेतृत्व किया, जिससे उन्हें 'सरदार' (नेता/प्रमुख) की उपाधि मिली।
- सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन: इन आंदोलनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई बार जेल गए।
- कांग्रेस अध्यक्ष: 1931 में कराची अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए।
- मुख्य गुण: दृढ़ संकल्प, संगठनात्मक क्षमता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता।

आज़ादी के बाद की सबसे बड़ी चुनौती: रियासतों का एकीकरण

- पद: आज़ादी के बाद भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री (Deputy Prime Minister) और गृह मंत्री (Home Minister)।
- चुनौती: 1947 में, भारत में लगभग 565 रियासतें थीं, जिन्हें भारतीय संघ में मिलाना था।
- रणनीति: 'गाजर और छड़ी' की नीति का उपयोग किया—
- शांतिपूर्ण बातचीत और विलय पत्र (Instrument of Accession) का उपयोग।
- आवश्यकता पड़ने पर बल प्रयोग (जैसे हैदराबाद में 'ऑपरेशन पोलो', जूनागढ़ और कश्मीर)।
- परिणाम: भारत का राजनीतिक और भौगोलिक एकीकरण सुनिश्चित किया।

एक प्रशासक और निर्माता के रूप में योगदान

- अखिल भारतीय सेवाएं (All India Services): भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) और अन्य सिविल सेवाओं के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके कारण उन्हें 'भारत की सिविल सेवाओं के जनक' के रूप में जाना जाता है।
- अन्न संकट: विभाजन के बाद देश के सामने आए अन्न संकट को हल करने के लिए प्रभावी उपाय किए।
- दृष्टि: एक मजबूत, एकीकृत और आधुनिक भारत का निर्माण करना।

विरासत और सम्मान

- उपनाम: 'लौह पुरुष' (Iron Man) उनकी अटूट इच्छाशक्ति और दृढ़ता के लिए।
- विरासत:
  - भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक।
  - ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक।
- स्टैच्यू ऑफ यूनिटी: गुजरात में स्थित दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा (182 मीटर), जो उनकी राष्ट्र-एकीकरण की भावना को श्रद्धांजलि देती है।

निष्कर्ष और धन्यवाद

- सारांश: सरदार पटेल भारत के इतिहास में एक अद्वितीय नेता हैं, जिनकी दूरदर्शिता ने आधुनिक भारत की नींव रखी।
- अंतिम विचार: "हर भारतीय को यह भूल जाना चाहिए कि वह एक राजपूत है, एक सिख है, या जाट है। उसे याद रखना चाहिए कि वह एक भारतीय है।" - सरदार वल्लभभाई पटेल।

धन्यवाद।

On Computer Prepared by:VIKRAM NAIN(Computer